PTET 2016 पेपर

शिक्षण-अभिरुचि

ऐसे ही आपको हर विषय के नोट्स उपलब्ध कराते रहेंगे, आप RAJASTHAN CLASSES CHANNEL को SUBSCRIBE जरुर कर लीजिए डेली क्लास ज्वाइन करें पूर्णत निशुल्क

नोट-अपने प्रयास से सभी तथ्य सही किए है – फिर भी किसी प्रकार की त्रुटी पाई जाती है

तो राजस्थान क्लासेज जिम्मेदार नही होगा, आप सम्पर्क कर सकते है! Whatsapp- 8107670333

51. कक्षा म पढ़ाइ का आधक प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक अध्यापक को-
(1) अपने सहकर्मियों से विचार–विमर्श करना चाहिए।
(2) विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करना चाहिए।
(3) अपने विषय में हुये शोध से परिचित होना चाहिए।
(4) अपने लेखन को प्रकाशित करना चाहिए।**(2)**

52. **शिक्षक के लिए बाल मनोविज्ञान का ज्ञान आवश्यक होता है, क्योंकि-**
(1) इससे विद्यार्थियों की आधारभूत विशेषताओं को जानने का अवसर मिलता है।
(2) शिक्षण मनोवैज्ञानिक नियमों के अनुरूप होना चाहिए।
(3) यह आधुनिक शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है।
https://rajasthanclasses.in/
(4) इसके ज्ञान से शिक्षण सफल होता है। **(1)**

53. **आपके विद्यालय के प्रधानाचार्य का लड़का आपकी कक्षा में पढ़ता है, तो आपका दृष्टिकोण उसके प्रति कैसा रहेगा?**
(1) पक्षपातपूर्ण (2) विशिष्ट
(3) अन्य विद्यार्थियों की तरह समान
(4) प्रधानाचार्य से आपके संबंधों पर निर्भर होगा।**(3)**

54. **आपकी राय में शिक्षकों को विद्यालय में समय पर आना चाहिए-**
(1) यह उनका कर्त्तव्य है
(2) समय पर आने वाले पर छात्र भी समय पर आयेंगे
(3) यह सभी का अपना–अपना दृष्टिकोण है
(4) समय पर आना जरूरी नहीं है **(1)**

Scanned with CamScanner

55. शिक्षक तभी प्रभावी होता है, जब-

(1) वह प्रत्येक विषय–वस्तु की कक्षा में व्याख्या देता है।

(2) प्रत्येक विद्यार्थी के लिए व्याख्या को दोहराता है।

(3) शैक्षिक अनुभवों की विविधता प्रदान करता है।

(4) विद्यार्थियों द्वारा उठाये गये प्रश्नों के उत्तर देता है। **(4)**

56. उपयोगी शिक्षा तब संभव होती है, जब-

(1) विद्यार्थी पढ़ाये जा रहे विषयों में रूचि लेते हैं।

(2) विद्यार्थी को कम समझ आने वाली व्याख्या दी जाती है।

(3) पढ़ाये जाने वाला नया विषय विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान से संबंधित होता है।

(4) विद्यार्थी प्रश्न पूछते हैं और उन्हें उनके उत्तर दिये जाते हैं। **(4)**

57. विद्यार्थियों को विद्यालय में खेल क्यों खेलने चाहिए?

(1) यह उनको शारीरिक रूप से मजबूत बनाते है।

(2) यह अध्यापक का कार्य आसान कर देते हैं।

(3) यह समय व्यतीत करने के लिए अच्छा है।

(4) यह उनमें सहकारिता एवं शारीरिक संतुलन का विकास करते हैं। **(4)**

58. एक विद्यार्थी आपकी कक्षा में देरी से आया, तो आप करेंगे-

(1) अभिभावक को सूचना देंगे।

Scanned with CamScanner

(2) दण्ड देंगे।
(3) देरी के कारणों को जानेंगे।
(4) उस पर ध्यान नहीं देंगे। **(3)**

59. आप कक्षा में एक प्रकरण पर शिक्षण कर रहे हैं और एक विद्यार्थी ऐसा प्रश्न पूछ लेता है जो इस प्रकरण से संबंधित नहीं है, तो आप क्या करेंगे?
(1) आप उसे असम्बन्धित प्रश्न पूछने के लिए आज्ञा दे देंगे।
(2) आप उसे असम्बन्धित प्रश्न पूछने के लिए स्वीकृति नहीं देंगे।
(3) आप इस कार्य को अनुशासनहीनता मानेंगे एवं दण्ड देंगे।
(4) आप कक्षा के पश्चात् उस प्रश्न का उत्तर देंगे। **(1)**

60. एक अभिभावक आपको कभी भी विद्यालय में मिलने नहीं आते हैं, तो आप करेंगे-
(1) आप उनके बच्चे पर ध्यान नहीं देंगे।
(2) आप अभिभावक को लिखेंगे।
(3) आप अभिभावक से स्वयं मिलने चले जायेंगे।
(4) विद्यार्थी को दण्डित करना आरम्भ कर देंगे। **(3)**

61. एक अध्यापक के लिए सबसे ज्यादा क्या महत्वपूर्ण है?
(1) कक्षा में अनुशासन बनाये रखना।
(2) कक्षा पर हावी होना।
(3) विद्यार्थियों की कठिनाइयों का समाधान करना।
(4) एक अच्छा वक्ता होना। **(3)**

https://rajasthanclasses.in/

(4) ... (3)

67. **विद्यार्थी आपके प्रश्न का आंशिक सही उत्तर देते हैं, तो आप-**
(1) इससे आगे की सूचना देंगे।
(2) आप इसे पुनर्बलन प्रदान करेंगे।
(3) अपने प्रश्न पुनः निर्माण करेंगे।
(4) सही सूचना दे देंगे। (2)

68. **एक विद्यार्थी आप पर यह आरोप लगाता है कि आपने कॉपियों के मूल्यांकन में पक्षपात किया है, तो इस प्रसंग को आप कैसे हल करेंगे?**
(1) उसके आरोप को अस्वीकार कर देंगे।
(2) दण्डात्मक उपाय करेंगे।
(3) उसकी स्थिति को दर्शानें का प्रयास करेंगे।
(4) कुछ अन्य विद्यार्थियों के साथ उसकी उत्तर–पुस्तिका को दिखायेंगे। (4)

69. **आपका एक विद्यार्थी जो अपना गृहकार्य पूरा करके नहीं लाया है उसके साथ आप किस तरह का व्यवहार करने को प्राथमिकता देंगे?**
(1) आप इसे कब तक पूरा कर लेंगे?
(2) 'आपने इसे पूरा नहीं किया कोशिश कीजिए पूरा करने की।'
(3) कारणों को ज़ानने के लिए उससे पूछेंगे आपने इसे पूरा क्यों नहीं किया?
(4) अभी यह बेहतर होगा कि आप इसे टाल देंगे। (3)

70. **एक विद्यार्थी आपकी कक्षा में व्यवधान डालता है, तो आप क्या मार्ग अपनायेंगे?**
(1) आप उसे कक्षा छोड़ने के लिए कहेंगे।
(2) आप उसे उचित व्यवहार करने के लिए कहेंगे।
(3) आप इसके कारणों को जानने की कोशिश करेंगे कि वह ऐसा व्यवहार क्यों दर्शा रहा है।
(4) आप इसे अतिरिक्त गृहकार्य देंगे। (3)

Scanned with CamScanner

71. **एक विद्यार्थी अपनी समस्या को अपने अध्यापक के साथ बाँटने के लिए उनके घर पहुँच जाता है, ऐसी स्थिति में अध्यापक को-**

(1) उसे सलाह देनी चाहिए कि वह अध्यापक के घर से चला जाये।

(2) विद्यार्थी के अभिभावकों से सम्पर्क करके उसकी मदद करनी चाहिए।

(3) उपयुक्त सहयोग करना और उसकी मानसिक या नैतिक अवस्था को उत्प्रेरित करना चाहिए।

(4) उसको चेतावनी देना कि वह उसके घर कभी नहीं आए। (2)

72. **सुनना एक कला है। इसलिए मैं प्राथमिकता दूंगा कि विद्यार्थी-**

(1) चक्र की समाप्ति पर ही प्रश्न पूछें

(2) नया प्रकरण आरम्भ करने से पूर्व ही प्रश्न पूछें

(3) उसी समय प्रश्न पूछें जब उन्हें कोई संदेह हो

(4) अपनी कठिनाइयों के सन्दर्भ में अपने कक्षा सहपाठियों के साथ विचार–विमर्श करें (2)

73. **भारत जैसे प्रजातांत्रिक देश में विद्यालयों को ध्यान देना चाहिए-**

(1) ऐसे गुणों के विकास में जो दिन प्रतिदिन की समस्याओं का सामाना करने में सक्षम बना सके।

https://rajasthanclasses.in/

Scanned with CamScanner

(2) समुदाय द्वारा प्रदत्त मूल्यों का समावेश करना।
(3) अकादमिक उत्कृष्टता के लिए तैयारी करना।
(4) अच्छी नागरिकता के गुणों का विकास। **(4)**

74. **बालक के सीखने के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण आवश्यक चीज है-**
(1) स्वयं सोचकर यह तय करना कि क्या सही है और क्या गलत है।
(2) समाज एवं विद्यालय के नियमों एवं विनियमों को मानना।
(3) उच्च अधिकारियों (अथोरिटी) एवं बड़े लोगों की आज्ञा का पालन करना एवं उनका आदर करना।
(4) अच्छी तरह से समायोजित एवं अनुशासित रहना। **(2)**

75. **विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास महत्त्वपूर्ण है। आप उनमें इन मूल्यों के विकास हेतु क्या करेंगे?**
(1) नैतिक मूल्यों सम्बन्धित कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
(2) वार्ताओं का आयोजन करेंगे।
(3) नैतिक मूल्यों सम्बन्धित कहानियों को प्रदर्शित करेंगे।
(4) अपने आपको एक आदर्श नैतिक व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करेंगे। **(4)**

76. **अध्यापक का कक्षा-कक्ष व्यवहार अच्छा होना चाहिए, क्योंकि-**
(1) यह एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।
(2) विद्यार्थी ज्यादा जागरूक हो जाते हैं।
(3) सीखने को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बनेगा।
(4) विद्यार्थी इसकी प्रशंसा करेंगे। **(3)**

77. **आधुनिक कक्षा में विद्यार्थियों की ऊँचाई में बहुत**

Scanned with CamScanner

रूप में प्रस्तुत करेंगे। (4)

76. अध्यापक का कक्षा-कक्ष व्यवहार अच्छा होना चाहिए, क्योंकि-

(1) यह एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।
(2) विद्यार्थी ज्यादा जागरूक हो जाते हैं।
(3) सीखने को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बनेगा।
(4) विद्यार्थी इसकी प्रशंसा करेंगे। (3)

77. आपकी कक्षा में विद्यार्थियों की ऊँचाई में बहुत भिन्नताएँ है, तो आप कक्षा की बैठक व्यवस्था करेंगे-

(1) जो आकस्मिक/यादृच्छय हो।
(2) कम ऊँचाई वाले विद्यार्थियों को इस तरह से बैठाया जायेगा कि वे आसानी से देख सकें और कक्षा–कक्ष गतिविधियों में भाग ले सकें।
(3) जो शुद्ध रूप से ऊँचाई पर आधारित हो।
(4) लम्बे विद्यार्थियों को कक्षा में एक तरफ बैठा देंगे। (2)

78. अकादमिक उत्कृष्टता की माँग वाले युग में विद्यालयों में क्रीड़ा एवं खेलकूद को समावेश करना-

(1) समय की बर्बादी है।
(2) अकादमिक कार्य से बहुत कुछ समय चुरा लेना है।
(3) विश्राम का समय मिल जाता है।
(4) विद्यार्थी के समन्वित विकास के लिए यह आवश्यक है। (4)

79. कक्षा में ही वैयक्तिक भिन्नताओं को संभालने हेतु-

(1) विद्यालय समय पश्चात् धीमी गति से सीखने वालों को कोचिंग प्रदान करना।
(2) तेज विद्यार्थियों को मुक्त पाठन समय देना चाहिए।
(3) समवय ट्यूटोरिंग।
(4) विशेष उद्देश्यों के लिए समूहों का गठन। (1)

https://rajasthanclasses.in/
Scanned with CamScanner

80. वंचित वर्ग/अलाभान्वित बालक की विद्यालय में सफलता अधिकतम हो जाती है, यदि-

(1) कौशल आधारित विषयों पर उसे ज्यादा एकाग्रता बढ़ानी चाहिए।

(2) दूसरे विद्यार्थियों की तुलना में इन्हें पहले व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया जाना चाहिए।

(3) उसे अन्य विद्यार्थियों की तरह ही व्यवहार करना चाहिए।

(4) उसकी बौद्धिक क्षमता को खोजते हुये शैक्षिक कमियों को दूर किया जाये।

(4)

81. शिक्षण ज्यादा प्रभावी हो सकता है, यदि एक अध्यापक-

(1) अपने इरादे को उद्देश्यपूर्ण बनाए।

(2) विषय का पूर्ण ज्ञाता हो।

(3) विभिन्न प्रकार की अनुदेशन सामग्री का उपयोग करे शिक्षण के दौरान।

(4) पाठ के प्रारम्भ में ही अपने उद्देश्यों की घोषणा कर दे।

(3)

82. एक अध्यापक ने शुक्रवार को कम उपस्थिति पायी, उसी दिन साप्ताहिक टेस्ट दिया गया था, अध्यापक को-

(1) अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों को बुलाना चाहिए।

(2) पूरे सप्ताह टेस्ट की समय सारणी बनानी चाहिए एक विषय प्रत्येक दिन।

(3) विद्यार्थियों से यह कहा जाये कि जो दो टेस्ट लगातार अनुपस्थित रहेंगे उन्हें परीक्षा में असफल दर्शाया जायेगा।

(4) विद्यार्थी पूरे सप्ताह अंतिम दिन आराम कर लेते हैं अतः सभी टेस्ट सोमवार को रखने चाहिए।

(1)

https://rajasthanclasses.in/
Scanned with CamScanner

83. आपकी कक्षा के एक अतिसक्रिय विद्यार्थी की सफलता हेतु अध्यापक द्वारा-

(1) विद्यार्थी को अतिरिक्त लिखित कार्य देना चाहिए ताकि विद्यार्थी अपनी सीट पर ही बैठा रहे।

(2) जब विद्यार्थी थका हुआ महसूस करे उसे अपनी सीट को छोड़ने की स्वीकृति देनी चाहिए।

(3) विद्यार्थी को ऐसी उद्देश्यपूर्ण गतिविधियाँ देनी चाहिए जो उसके गति करने की आवश्यकताओं की पूर्ति कर लेती हो।

(4) विद्यार्थी को कक्षा से अलग रख देना चाहिए।**(3)**

84. बालक का समग्र विकास शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है, इसका अर्थ है-

(1) मजबूत शरीर में मजबूत मस्तिष्क का विकास।

(2) मस्तिष्क की सभी विशेषताओं का उच्चतम संभावनाओं के साथ विकास।

(3) बालक की शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक शक्तियों का संतुलित विकास।

(4) बालक की समायोजन क्षमताओं का विकास।

(3)

85. व्याख्यान के दौरान कक्षा में कुछ व्यवधान आ जाता है, तो अध्यापक को-

(1) थोड़ी देर के लिए शांत रहकर फिर व्याख्यान शुरू कर देना चाहिए।

(2) जो व्यवधान उत्पन्न कर रहे हों उन्हें दण्ड देना चाहिए।

(3) कक्षा में क्या हो रहा है उसके बारे में चिन्तित नहीं होंगे।

(4) व्यवधान के कारणों को जानने की कोशिश करेंगे।

Scanned with CamScanner

86. **विद्यार्थियों का एक समूह आपके कक्ष में प्रवेश करके गाली-गलौज करता है, हिंसक व्यवहार करता है। ऐसी स्थिति में अपने संवेगों को किस तरह से नियंत्रित करेंगे?**

(1) आप अपने शिक्षक समुदाय के लिए शर्मिन्दा महसूस करेंगे।

(2) आप उनके साथ उसी तरह से प्रतिक्रिया करते हुये शारीरिक चोट पहुँचाएंगे।

(3) पहले आप उन विद्यार्थियों के संवेगों को शान्त करेंगे और उनके व्यवहार के बारे में विनम्रता से कहेंगे।

(4) दण्डात्मक प्रावधानों की सलाह के साथ पूरे केस की रिपोर्ट प्राचार्य को देंगे। **(4)**

87. **असामाजिक लोगों के साथ आपका व्यवहार होता है-**

(1) सामान्य (2) मैत्री पूर्ण

(3) सुधारक के रूप में (4) आलोचक के रूप में **(3)**

88. **जिस प्रकार शिक्षा का लक्ष्य बालक को भविष्य के जीवन के लिए तैयार करना है, उसी प्रकार बालक को तैयार करना है-**

(1) कुछ विशेष पाठ्यक्रमों के लिए

(2) कुछ विशेष व्यवसायों के लिए

(3) भविष्य की सभी प्रकार की आपात परिस्थितियों एवं स्थितियों का सामना करने के लिए

(4) एक खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए **(3)**

Scanned with CamScanner

89. स्थायी और अच्छे सामाजिक सम्बन्धों के लिए वांछित है-

(1) माँगने पर मदद करना

(2) दूसरों की तारीफ करना

(3) सामाजिक उत्सवों में भाग लेना

(4) पहल कर सहायता करना **(4)**

90. एक शिक्षक का सबसे बड़ा शत्रु हो सकता है-

(1) उसका उद्दण्ड विद्यार्थी

(2) उसका प्रधानाचार्य

(3) उसका अंहकार जो उसके अन्दर गुणात्मक सुधार नहीं आने देता

(4) उसका धन संबंधी लोभ **(3)**

91. कक्षा-कक्ष संयुक्त व्यवहार समूह कहा जा सकता है जब तक कि-

(1) आवंटित कार्य को पूरा करने की एक संयुक्त सोच/भावना हो।

(2) कक्षा में पदानुक्रमिक संगठित व्यवस्था हो।

(3) समूह पर्याप्त मात्रा में बड़ा हो।

(4) समूह के सदस्य अपनी व्यक्तिगत स्थिति को स्थापित करने की इच्छा रखें। **(1)**

92. विद्यालय प्रशासन का आधारभूत उद्देश्य होता है-

(1) विद्यालय में आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराना।

(2) अनुदेशन कार्यक्रमों में सुधार करना।

(3) अनुदेशन सुविधाओं के लिए विद्यालयों में संगठन को क्रियान्वयन करना।

(4) अध्यापकों को अपने कार्यों के लिए सलाह देना एवं उत्प्रेरित करना। **(3)**

93. यदि कोई विद्यार्थी आपकी कक्षा में बेहोश हो जाता है, तो आप सर्वप्रथम क्या करेंगे?

(1) विद्यार्थी के अभिभावकों को टेलीफोन करेंगे और उनका इन्तजार करेंगे।

Scanned with CamScanner

(2) प्राचार्य के कक्ष की तरफ भागकर जायेंगे और अधीर होकर सहायता के लिए चिल्लायेंगे।
(3) उसे प्राथमिक उपचार देंगे और किसी निकटस्थ डॉक्टर से सम्पर्क करने का प्रयास करेंगे।
(4) उसे उसके घर भेजे जाने की व्यवस्था करेंगे।

(3)

94. सरकारी स्कूलों की शिक्षा के स्तर को पब्लिक विद्यालयों के समक्ष लाने का तरीका यह है कि-

(1) सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के वेतन को घटा दिया जाये।
(2) सरकारी स्कूलों में निगरानी के स्तर को बढ़ा दिया जाये।
(3) सरकारी स्कूलों में सतत् मूल्यांकन प्रणाली ईमानदारी से लागू की जाये।
(4) 2 एवं 3 दोनों

(4)

95. अध्यापक कक्षा सर्वेक्षणकर्ता भी है जो छात्रों की मानसिक योग्यताओं का अनुमान लगाता है। यह मदद करता है-

(1) अध्यापक योग्य छात्रों को अधिक अवसर प्रदान करेगा।

Scanned with CamScanner

(2) शिक्षक कक्षा की प्रकृति जानकर उसके अनुरूप शिक्षण कार्य करेगा।
(3) शिक्षक कमजोर छात्रों को पृथक कर देता है।
(4) शिक्षक कक्षा पर काबू प्राप्त कर लेता है। (2)

96. शिक्षण प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है-
(1) व्यवसाय दक्षता प्रदान करना।
(2) शिक्षण के उचित तरीकों का ज्ञान कराना।
(3) नौकरी उपलब्ध कराना।
(4) ज्ञान प्रदान करना। (2)

97. यह मेरी मान्यता है कि शिक्षण व्यवसाय है-
(1) रूचिकर किन्तु कठिन
(2) सरल लेकिन अरूचिकर
(3) जटिल एवं सम्पूर्ण उत्तरदायित्वपूर्ण
(4) सामान्य एवं तुलनात्मक दृष्टि से कम उत्तरदायी (3)

98. कभी-कभी बहुत विद्वान व्यक्ति भी अच्छा शिक्षक नहीं बन पाता। इसका सम्भावित कारण हो सकता है-

https://rajasthanclasses.in/

Scanned with CamScanner

(1) कक्षा में सूचना सम्प्रेषित करते समय विद्यार्थियों के स्तर को ध्यान में न रखना।
(2) शिक्षण–कौशल में परिपक्वता का न होना।
(3) विद्वता का दुरूपयोग करना।
(4) 1 एवं 2 दोनों (4)

99. एक शिक्षक के रूप में आप पढ़ाना पसन्द करेंगे-
(1) छोटी आयु के छात्रों को क्योंकि वे आसानी से आदेश का पालन कर लेते हैं।
(2) किशारों को, क्योंकि वे विवेकयुक्त एवं परिपक्व होते हैं।
(3) किसी भी आयु वर्ग को क्योंकि शिक्षक प्रत्येक छात्र का मनोविज्ञान जानता है।
(4) केवल सामान्य कक्षा के छात्रों को। (3)

100. शिक्षा परम धन है क्योंकि-
(1) इसे कोई छीन नहीं सकता।
(2) इसे जितना बाँटा जाये यह उतना ही बढ़ाता है।
(3) इसे कोई चुरा नहीं सकता
(4) उपर्युक्त सभी (4)

https://rajasthanclasses.in/

Scanned with CamScanner

टेलीग्राम website व youtube ज्वाइन करने के लिए आइकॉन पर क्लिक करें